

**राज**  
लॉसिंग्स  
लिमिटेड  
पुणे कायदा विभाग अखिल

# डोगा का कफरू





'संजय बुप्ता' पेश करते हैं!!

रात के सड़क डोना का तनवनीखोज कॉमिक!!

# डोना का कफर्यू

खान 5

राज कॉमिक्स है मेरा जन्म!

विवेक मोहन  
परिकल्पना

संजय बुप्ता, तरुण कुमार वाही  
लेखक

रन्डिको इनेज  
चित्रांकन

जयदीप कुमार  
इकिंग

कनेज पात्र  
इफेक्ट्स

अमित कटेरिया  
कैलीग्राफी

मंगार अंधेले  
साह सम्पादक

मनीष बुप्ता  
सम्पादक



खून का कांसाबाजार करने वाले ब्लडमैन से जब डोना टकराया तो उसने खोली एक खौफनाक चाल जिसमें पूरी मुम्बई में भड़क नुपु जातिव बंगे। डोना भी वहाँ का शिकार होकर मौत के करीब पहुँच गया। मुम्बई में सल नवा कफर्यू अब ब्लडमैन, मुम्बई की जनता, मुम्बई की पुलिस और किन्गुस्तान की मिलिंदी सभी हैं डोना के खिलाफ। अब डोना ने मुम्बई में ऐलान किया है डोना का कफर्यू। क्या अब मुम्बई की नसियों में करलेआम रोक पायुगा डोना? क्या हॉरिपटल में खून की कमी से तड़पते घायलों को खून मुहैया कर पायुगा डोना? देखें एक रसक का खूनी संघर्ष।

आपने पढ़ा डोना हिन्दू है, अपना भाई डोना, हाव हाव डोना, रो पड़ा डोना। अब पढ़ें डोना का कफर्यू।





होना की कुत्ता पीछे पर खाली मंडल रहा था क्योंकि कुत्ता मादिकों विभिन्न क्षेत्रों से कुत्तों को पता चली थी।



अपना ही का साथ देने वाला भी अपराधी।

तुम्हें होना का साथ देने की सजा दे रहे हैं वे लोग।

अपराधीज वरुण जी अपने आपको कालुस की पकड़ से बचाला हूँ।



तुम्हें भी बचाइंगे।



कडकाई



बुर्रर बुका  
कल लाओ  
आवाज

बुक  
बुक  
बुक



(बुर्रर बुका बुका)  
और मैं अभी डारल है।  
आवाज कल करो।

बुक  
बुक  
बुक



कॉर्नर स्पेसक आफोलेट मिलिटरी लाव के साथ था।

ये कुत्ते तो पुलिस पर आदी पद रहे हैं और सारे मेकर को कुत्तों को तो आदत नहीं आ सकता

वही मैं भी सोच रहा हूँ कि अगर मजदारी फोर्स इन कुत्तों को ही पकड़ने में लगी रही तो फिर कॉर्नर का फासल खौन कब तक?

तुम काज ही सकता है इन्हें कोई सिस्टीम के दो चिलने कुतु दिखीं लक के कुत्ते सिस्टीम के प्रभाव में रहे और चौका की जगह का कर कातु

मेरे कॉर्नर के ऐजान के बाद अगर कभी पर कॉर्नर, उमम तुम तो मेरे इन ऐजान की क्षितिजों पर कल रहेगी...

तुजाना होना तुझे अपनी कुल फीज की।

कुतु आदितिका



कौले आते? सिस्टीम के प्रभाव में हो



कहीं किसी ने इन्हें हमारे में जबर तो नहीं दे दिया?



कहीं नहीं

इसका कोईर करकेत कर रहा है।

वे जिंदा है।

विप्लव



आजक इन्हें कोई नहीं सीज दिखाई  
गई है। जिसने इसका दिखावा से जवा है।

जबर इनकीकर-एत है कुछो

आना होमा इन्हें।



विप्लव

उदात्त होमा

करी लकत जुदासी होमी, जो  
लकत-एत होत के मुंड में पड़ु  
बुके-एत दिवात में जुदाई थी।

मैं भी तो जुदा था तब होमों के  
छिड़ दिवाई में-रीकर-एत थी।



5

मुझे कर-एत है तो  
वे नहीं नहीं उठेगे।

इसका दिखावा से जवा है।  
जबर जुदा नहीं लोका होमा।



भावाभा! भावाभा! उठी!

वुफ

वुफ

तुम ठीका की खुला पीछ को लिपकी हो

तुमों की तुमल है जो किली की नकी की दवा को बैअर कर सकता है

LEI

उठ अतु मेरे काका लिपकी

मेरे काका

हैं

काका था तुमसे  
तुमल है।

वुफ

गर्र

गर्र

वुफ

गर्र

वुफ

वुफ

6

सुरीस तुमल काजो कारों लरक पीस  
काजो वहाँ लपक होना देखो, वहाँ  
ले शीत की खपेट दो। शीत ना  
माने तो अकार मुझे खपेट  
दो काजो काजो

वुफ

गर्र

वुफ

अधिकार हमने  
तुमों दंड ही किया  
होगा



देखा चाहें तरफ  
से मिलिंदी से फिर भजा है मु  
कागर्न का मुकाबला करेगा मु? क्या  
की तरफकार है मु? क्या मुझ से  
मेल के मुकाबले काय है मु? मु  
मुझसे मैं नहीं हूँ जातुनी

अखिर ही यह  
देखा है मुझसे को।

कल मेरा मुकाबला  
और निकाली जोड़ियां तैयार करी  
उसकी तरफ देखी।





ये आदमल तो डोभा को धूम को  
कातरे-कातरे में बिछी हुई है।



आरों!  
आरों!

बचाओ!  
बचाओ!

अरे सर डाका

...जहाँ अचानक होने के दोषी होना...

...कदम बढ़ाओ!



जिं  
जिं



भुलों की बीजक पुकार ले कुछ धरों के दिसकी  
दरवाजे खुले, आर...

च्यूम

च्यूम

बच  
रुकी ठामें।

च्यूम

आरों! आरों! बचाओ! बचाओ!  
अर डाका ऐसा भीर अचाने  
पासे भुलों को डोभा की छोड़ी  
कब का आर चुकी है। इन  
आवाजों को आवाज में आ  
पासी। अर दो को कोई  
बसर आदम को डोभा की  
छोड़ी द्वापुन। किसी को  
अपने घर की रक्षा की बिनु  
बाहर नहीं आना। तुमहीं को  
हर घर की रक्षा करेना  
लुभ होना



और तुमने डोभा को काबल का  
ऐसाव नहीं लुभ हो, ऐस में  
नहीं आदमल कहीं निकाले  
तुम बाहर?

तुमने काबल  
को बाहर में काबल  
हूँ डोभा...





बिना बोझों के चले की सीमा और उसकी होना होना का।

कहने की तरह  
मे पढ़ी की प्रेम करने  
साथ साथ नहीं है।

उत्तरावस्था।

अपने कोई बुरा  
साजने इस सावधान  
बापों की सिद्ध।

अभी भी दरवाजे और खाना  
काट केवही अपने घरों से कि  
पुनर् की दुल आन में क्यों  
लगा है? वे... वे सावधान  
करते हैं।

... बिनाकी जा को  
का सिद्धांत सोचने  
जाते नहीं हैं।  
कोई जा है जो अब  
इसमें बुरा सिद्धांतों?  
है कोई बाप जो अब  
इसके लिए घर अपनी  
अज्ञान का साथ  
रखेगा?

है जानना है कि कोई नहीं है। इनको  
समझा अब सिर्फ अज्ञानात्मक में ही  
मिलेगा। पुराने से इनकी विचारणा  
में अज्ञानात्मक सिद्ध किया है।

पुराने को सिर्फ छिपाना जानते हैं।  
कहना जानते हैं। कहना जानते हैं।

और हर कोई वे समझाई जानता है। अगर फिर  
ही को को खुद अज्ञानता किताब जाना है।

... कोई इलाक़ात की रक्षा को  
सिद्ध को बंद कर कर अज्ञान को  
निकार नहीं होता... लेकिन बुरा  
को बाज पर कहने अपने जानों  
को सिद्ध नैकाली फिर साजित है।

माथात्म्य



अचरक नाचा, जोनिकर, सीमा को बहुत की प्रतीक्षा थी।





...अपराध बाबा  
का अनुसंधान है...



...बीस दिने  
बोला की बोली  
का बोला है।



तुम्हें कर्मों को फल  
हमारे दिने ज्ञान  
होना सुनाया

और उन कर्मों को भी का  
विचारण भी तो है जो होना पर विचारण  
करते हैं। वे सब हैं कि कुछ पक्षों को सिद्ध वे विचारण  
समयों को अंतर का विचारण होकर होना को  
अंतरण को सिद्ध संकट का बना था। अंतर ज्ञान  
छोटे-छोटे अंतरों की व्यवस्था नहीं करते। होना का  
ज्ञान भी एक ज्ञान की तरह है जो सभी सुनीकर्तों  
के अंतरों को व्यवस्था व्यवस्था विचारण जाणता।

अब मुझे जाने दो। कर्मों  
को भी होना को कर्मों का  
व्यवस्था का कर है।



...कर्मों के  
ज्ञान की हो।



अब ज्ञान कर्मों  
होना बहुत ज्ञान कर्मों  
है तुम्हारे कर्मों के अंतरों  
की ज्ञानपूर्ण को सिद्ध ज्ञान  
की और विचारण की ज्ञानपूर्ण को  
सिद्ध ज्ञान की व्यवस्था होती है।

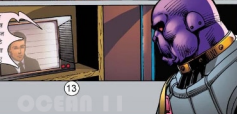


जो बाबा  
में नहीं थी  
व्यवस्था

कर्मों का  
ज्ञान की हो।

कर्मों के विचारण  
सिद्ध सभी ज्ञान पर  
व्यवस्था की कर्मों  
जानता

अंतर ज्ञान अंतरों की व्यवस्था  
अंतरणों में ज्ञानों की व्यवस्था बहुत  
कर्मों ज्ञान की व्यवस्था कर्मों के ज्ञान  
होते हैं अंतरण। कर्मों में होना व्यवस्था  
की कर्मों ज्ञान अंतरों? क्या व्यवस्था  
को सिद्ध व्यवस्था कर्मों में होना होना? क्या  
होना ज्ञान कर्मों में होना होना? अंतर  
विचारण होना के ज्ञान करते हैं।







आपको अपने दुल को  
का रिपोर्ट सुन है। आप  
दुल को रिपोर्ट कितनी को  
केस कहते हैं।



होना को  
होना को

हा होना  
ही है दुल को का  
रिपोर्ट



मेरे को को  
खुद नहीं मिल  
या रहा को तब  
रहा है।

मेरे को को  
खुद की कल  
है। कलमन में  
खुद नहीं है।

काह ले नहीं  
हा कलम। काह  
कलम है।



आप को  
है कोना?

कल को काह  
का हुआ।

कल को काह  
खुद की कल  
पली है।

आप होना  
हि काह केस  
खुद

आप मेरे को  
को खुद हो का  
होना को काह काह  
नहीं कलम



होना काह  
काह है। होना  
खुद केस।  
होना काह  
खुद केस।



कलम को रिपोर्ट केस है।  
कलम में रिपोर्ट काह नहीं मिल  
कलम काह केस को रिपोर्ट केस और  
रिपोर्ट केस केस को को,  
ई-केस का ई-केस काह

रिपोर्ट को काह  
कलम केस रिपोर्ट केस केस केस  
की कोस केस केस केस केस  
काह की काह रिपोर्ट

कल को  
कलम काह  
होना में कोस  
काह काह



RCJ

जंगल में शुरू हो चुकी है देवी की यात्रा...  
घात लगाए बैठा है मानव रक्त का प्यासा...

L35

L35

STUL SHARMA  
NAGENDRA FILM

# रक्तपिपासु



एक ऐसी हॉरर कहानी जो आपको शुरू से अंत तक रोमांचित कर देगी।

OCEAN 11







बोका!

बहुत दूर  
कहाँ हो तुम?

कहाँ बहुत दूरी  
फैलत की दूरी  
सीढ़ियाँ?

अब तक पापा की आँखों पर काँची बगानों की अलुमिनियम जड़ें थीं।

मेरी टीक में लगी  
कमरे व जलित की लोच होती।  
जबकि है कि लैंग्वेजपूर्ण  
वातावरण बगानों में लज  
करावावा होती।

ले लोच  
अच्छी है। हमें दूर पर  
बोका करवा करवा  
बोका!



अब तक की लोचों व आँखों की बगानों पर करवा करवा हो चुका था।



लैंग्वेज की  
लज भी जानते हैं। अब  
हमें लुट्टा प्रदान की जातु  
तो लज लुट्टादान को किनु  
लैंग्वेज है।

लजको किनु लज में ना।  
लज लैंग्वेज लुट्टादान लजको  
किनु को करवा में  
कीज भी की है।

कहाँ अब लोच लुट्टादान में लजको  
अबने लोच लुट्टादान की लजको ले  
लुट्टादान ले है। लजको को लज ले  
लोच लुट्टादान को किनु लजको लुट्टादान ले है।



और बोका  
को करवा करवा  
बोका?



लजको किनु भी  
लज में ना।

ले किनु टीक है  
लज लैंग्वेज लुट्टादान  
को किनु लैंग्वेज है।



लुट्टादान का लुट्टादान को किनु लुट्टादान लजको करवा  
बोका करवा। और वे लोच लुट्टादान लुट्टादान  
करवा करवा। लोच लोच लज पर  
लोचिल करवा लुट्टादान ले है।



उन बुंदों की जल्दी ही खोज आने कादने से  
रुका गया है। क्योंकि आज आखिरी डकैती  
बाजिल नहीं है। बूढ़े जानल जानल  
पहुँचकर खोली की आड़काने  
का काज कर रहे हैं।



सुनिश्चित होने का वो  
बोर्ड पेड्रोस की आँख की  
तलत आगे तक चला गया है।  
वो अपनी पीछी को बुंदों की बजद  
से आगुला। और वे बूढ़े उन खोली  
में खोली की आँख आड़काने लकले हैं।



तो फिर  
पेड्रोस की दल को  
को और आड़काने  
से दोकैला



खोज लकल पर  
पेड्रोस बिखोरला  
मुझ कहीं का  
रुका है?



मैं तुम पुरी लकल को  
खोजदमी की आँख से  
काली कदवाला  
चालाया हूँ।  
और उसकी  
सिपु फिलहाल से  
तरीकत मुझे लगी  
लकल रुका है।



आला

भक्कक

आला

आला



अब खोज  
नहीं होला काली  
आँख बिरेली

वशSSSममम



पर जदले  
सिर्फ खोज आड़काने  
जाले।

खोज  
अब रुका नहीं  
कादेलाल

अभी तक खुद  
को सिर्फ खोज काजि कदने को  
चककर मैं काली में फंस गया था  
खोजा अगर अब तुम चककरलु से  
कालर आ गया है।



जो हथियारों के साथ  
विद्रोही, वो होना की  
मोहोरी बनायुगा



अभी तक बनी सीध रहा  
हा कि लल्लु ने एक और एक  
बार सचिवों की तरह और मुँहों की  
तयारों को दृष्टान्त ही कुछ पर हा आ लगे  
अगर अब तुम दृष्टान्तों की पदार्थ नहीं

मिडिली कोर होना के पीछे की



होना मोहोरी  
ले नहीं अगर तो  
उने मोहोरी ले ज़रूरी

होना की  
मोहोरी को रोकने  
को किउ अब टैक आ लका है

कमडिन अभी चुप बैठने वाला नहीं था



अगर होना के  
कामर्ष को दर से लोभ धरों में  
हा कुछो ले जेत मिडिल अमरुल लल  
जायुगा अब तक की लारी जेकाल  
रुख में किउ जायुगा



होना मोहोरी  
जें हमारे आदमी कर-कर के  
सदकों पर से जाऊ और एक  
धरों में आन कलाकर जयपुर  
करने लोभों को कि वो  
कामर आया

उसको कालर आने से  
कामर्ष दृष्टान्त नरकर कर  
भी होना का ही लल मिडिली  
ही जायुगी और होना ही आयेगा  
और मिडिली के लोभों जाल जायुगा

सदकार और होना के कामर्ष का सरे आन उल्लेख?



अरे!  
वे टुक रोकर  
कोन निकल आता  
सदकों पर?



कहा दुकानों में से  
आदमी सड़क में लुंठे  
कर रहे हैं।

उन्हें  
बेलावनी हो।



टैंक तो आगे ही बढ़ आया था।

अरे! बेलावनी से  
पकले ही टैंक ओखीवारी  
कहीं कदले कुत्ता तुम  
लुंठों पर?

जिंंग जिंंग



TZ 999 टैंक  
काटो ओखीवारी  
बंद कर दो।

जिंंग जिंंग



अरे! मैं ओखीवारी को जवा  
कर रहा हूँ और तुमने बोला  
ही क्या किता तुमका कौन  
समझा हो कातुला

बूम



अरे! टैंक की बाइ  
कमाली मरक की घुड़ लड़ो! अब  
क्या हम पर कोपेला बोला? अरे!  
टैंक देखते-देखते का बेलवानी  
पावला तो वहीं हो गया?

किर्रर्रर्र



कस्टमैज की आंखों सिफुल रही थीं साथे पर सज्जटी बंद रही थीं।

हममें टैंक रेजिमेंट का सिराही नहीं, दोषा और दोषा रेजिमेंट के सिराही हैं।

अब हमारा सिराही है कस्टमैज दोषा सिराही से बचा है। वो टैंक सेफार गुरु रहा है।

वो हमारी पास को सफाया गया है। हम सिराही उस कर के नहीं भड़का सकते।

और दोषा उन्हें भी किसी को साथ में लेना की बातें तक भी बंद होना है, उसे भी जोड़ी जात रहा है। वे तो अब हमारी ही जान का सफाया हो गया है कस्टमैज।

और फिर और भी तो दोषा की कर के बंद नहीं आ रही।

टैंक से हमने बहुत सारा कमा कर दिया है। दोषा दोषा को दिखाया तो चुपके हैं। पुलिस और सिफिटी उनको गिरे क्यों है। दोषा बचका नहीं अब हम अपने सज्ज की इसकी रीति की सज्ज पुनः हमारे कैंप।

उस कोनी सुपेकटरों का क्या कहना है कस्टमैज?

वो कोनी बड़े सुपेकटर सुपेकटर है। उन्हें सोच में आने को मैं उन्हें अपने सिर कमा करने का साधन बना। अगर वो बिना हो सज्ज तो दोषा को दिखाया कमा आये।

सफाई फिर से शुरूआत हो गयी दोषा अड़कने से बच गया।

अभी एक कस्टमैज काज और कस्टमैज है।

और दोषा

दोषा आ गया।

कॉपीकट करवाते अड़काने कासे रास में ही जोखियों का सिराहा होकर आरे सज्ज कही कमा करने करवा करवा का।

हमें कॉपीकट सज्ज को साथ देखने ही सज्ज जाउगा कि हमें हमने कहीं भी आद में लुटा है।



एकपछान कोयरी में खूब देने काकी की आदी शीत तुमने काये



सब लोग ने देखा एक और रिप्लेजेशन दुखन -



पर वे डोना का काफ्यू है।  
क्योंकि इस दुल काफ्यू में बाहर नहीं  
जा सकता। किन्ती को भी बाहर आने  
की इजाजत नहीं है। फिर बाहर के  
दुल ही क्यों न हो।

कहाता क्या  
बादली हो?

रोबो डोना  
जब दुल काफ्यू में डोना  
नहीं निकल पा रहा था  
तोच नहीं निकल पा रहे थे तो  
अपराधी कोले निकलकर तुम्हारे  
सिलायत पुक की बाइ पुक  
मददगैर बुन का रहे हो?

अपराधियों को  
इसी सुप्रीमेट पुक  
ही तरीके से हो  
रही थी

वूऊ SSS

पर इसी दुलसे  
जवाब देकर ही तुम्हारे किटु दुल  
दुलसे की वजह तक पहुंचना और  
अपने कामर अपने दुलजनों को बलत  
सबित करना है। तो तुम दुल ललत  
काफ्यू होमित करको नहीं कर सकते।

वे बाहर फिरना खल  
से बहुत हुआ था।  
जिन्हें तुमने बाकत  
करको छोड़ा और बाइ  
में जिन्हें मद्दगैरकारियों  
से बाहर हासल हो खल  
को पुनैत हो।  
इसे की अपन  
को हल करी  
से जिंजी।

इसे को  
काफ्यन लभले क्या  
सुन मद्दगैरकारियों  
को हुआ।

तुम्हारे हासी  
बंद होने को ललत-  
ललत खल की कड़ी  
पैदा हुई।

खल की जलदल  
को अपराधियों में किसे पुनैत  
इसी ही निशले बाइ परकारों  
से मोटी कलित लेकट  
कीक कर रहे हैं।

और दुल जलत ललकों पर लभले जवाब इसी  
सुप्रीमेट ऐड जलित को अलतक प्रमूनेत ललत  
ललतल ऐड ललत लीलावती की दुल कैरी  
की है। जलित में ललित लेकट और ललतकी  
ललितों को इसी दुली ललत कर ललत  
लेकट बातावा ललत था।

ललतल ललत लेकटों को ललत  
करे मुझे इसी में अपना कलत  
करको इसी पुनूनेतों में  
निकल जाने हो।





आज की ब्रेकिंग न्यूज बुक टी.वी. बैकज का किंग चुकी थी।









अ...अगर इ...इतना  
सारे लोग बाहर कौसे  
आ गए? क्या तो  
कामचल रहा है।

सदकारों  
कामचल रहा तो  
क्या है।

लोग लचकाए  
देख चुके हैं।

लचकाए  
जान चुके हैं।

लोभों की आँखों  
पर पट्टाबन्ध का तो चबड़ा  
बड़ा दिया गया था, वो अब  
उल्टा चुका है। मुझे नहीं लगता  
कि अब लोग किसी को  
भरोसा करेंगे।

देखो!  
कहा कहा रहे  
हैं लोग।

शूला  
केजुनाथ है।

इंसानियत  
का संरक्षक है  
शूला।

लकड़ा  
रक्षक है।

शूला  
आजारी नहीं।

को दाल  
का रक्षक है।

जोनिआ की अज्ञात करत उठी थी



जोना आज  
आपको कदम  
डोना केबुनास लिख  
से करा

डोना  
केबुनास का ले  
उसे केबुनास लिख  
डोना की का

आप का का का का का का  
से सुनेकाएर सोपका और  
सुनेकाएर से लिखा



"जब मैं उसके घर में पहुँचा तो मुझे पुलिस  
की कारों को कभी का रुक स्टार पका लिखा  
पड़ा लिखा"



मे डोना में ले  
किनी रुक की कारों से  
लिखा है पर स्टार पका  
कभी लिखा पड़ा है?



कुछ लड़कियाँ  
हैं। उनके साथ कोई  
अज्ञात की होती है।  
कभी उनके  
लिखने पर तो नहीं  
लिखा गया?

क्योंकि फोटो का  
दरवाजा ही खुला पड़ा था  
और बाकी अज्ञात की तरफ  
ले की होख में करी थी

"उसके कम्प्यूटर में मुझे दो सी.डी. मिल गईं, जिसमें उन्होंने 'सोपकाएर' में कोलेट  
की पहचान की खोज निकाला था"



जोना सोपका व सुनेकाएर ने वे कजास  
का बहुत बड़ा विकास है जोना की केबुनासी को  
संभित करने का। सोपका व सुनेकाएर इनसे पहले ही  
डोना की केबुनासी संभित करने की कारों को लिखा है।  
सी. पर का सुने का शकल इसी से समझकर  
सुनेकाएर ने उन्हें लिखने का लिखा है।



डोभा को देखकर कई लोगों में उसका आदमी कई शक्तिवातुन की कई खुशी से भर आया।

हजारों सुपर  
हीरो डोभा।

डोभा हम  
शक्तिवातुन है।

डोभा को केवल  
आपका उसकी आदमी को  
बर्ष को चले-चला रहा है आप  
सब में। आपका उसकी आदमी  
पूरी तरफ लगे करी है।

उन पावलों का  
कहा डोभा, जो मेरे नाम  
पर हुए फायदा में आपका  
खुश बना है।

मेरे उसका  
तली जितने, जब उन्हें  
खुश मिल जायगा।

आपका आपने मुझे  
विशेषता जाना किता है तो  
मैं चाहता हूँ कि आप सब लोग  
अपने-अपने में लक्षितक-रक्षणक  
को सिपु अपने आगे।

आज को बाद सुनवाई  
में किसी भी उद्देश्यक  
को रक्षा को सिपु मैंने वा  
देने पर। इसका रक्षणक  
करीकत।

आपका रक्षणक वहाँ  
किसी का जीवन बचा लकला  
है। जीवन बचाने वाला सुपर हीरो  
होता है तो मैं चाहता हूँ कि आप लोग  
भी रक्षणक-रक्षणक-रक्षणक  
सुपर हीरो बनें।

और दोषा अप लभले कथा कथला  
हे कि दुल सारे कलाह की कल  
को दोषा अप लभले कथला  
कलर कथला।



कलर दोषा को कोल पर लारी काली लुन लुन कल



दोषा कलकी कल  
लुनले से ललने "कलरिन"  
कल ललल कल ललल ललल कल  
लुनले ललली की लारी काली  
लुन ली लीने।

लुलल, कलरि की दोषा कलली  
की ललल कल ललल ललली ली  
कललीक दोषा कल ललल कल  
ललली लुलल की ललल ले  
लललल अपल लुन  
ललल लललल ली  
ले ललल ललली  
कल ली



ललल कलरि। लल  
दोषा लुलललली  
कल कल कलरि?



ले ललल  
ललली को कललल  
लुन ली

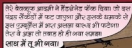
लल ललली की ललली ली ललल  
लललल लुलललली लललल  
ललललल लल ललली  
ली ललल ललल



लललल लललल  
लुललल ललल लललल  
ली ललल

लल  
ललल ली ली  
लललल







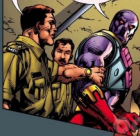


हकीकत तो ये है कि तुम्हारे जेब में जोश-बारूद बसि है जिन्हाँ अमेरिकन को निशेडर है वा तुम जानो कि मैंने उन्हें खोला देने की बिगु अंदाज रखी थी और वे पताच जेबे तुम्हें काट करके मैं देखने की क्या शिक था। हकीकत में तो मैं तुम्हें ही बचता चलाऊँ था और ऐसा नहीं मुमकिन था जब कि जेब काटने के मुद्दे आम जारि।



हो खोज तो आज बहुत खतरा तुम जहाँ आज तकले खोज।

जैत हाथ पकड़कर तुम पकड़ने की लोच नहीं हो कुलपेकर?



# बूम

पकड़े अपनी जाज की बचाओ।



होना तो बाधा नका पर  
उसने ऐसा क्यों कहा  
कि तुम्हें मैं क्यों भूल  
सकता हूँ।



कभी हमारे को सी.डी. पुलिस को  
साथ तो नहीं लाना था, मिलने  
होना की केतुवही का  
सबसे बड़ा लक्षण था।  
उसी के आकार पर होना  
का पुलिस उस औरत तक  
पहुंची होगी और फिर  
शायद होना वहाँ तक  
पहुँच गया।



आप? आप हज़र  
असली बुलावापर  
कहते हैं तक कीसे  
कमरे में?

पहुँच की अगर तो उसके  
दिनांक कोई पुराना लक्षण नहीं है  
किन्हीं के पास। कौनसे लक्षण होना कि  
सभी लक्षण और उसकी बार लक्षणों  
को आकार पर लक्षणिक आकार केवल का  
सुद लक्षणिक था क्योंकि होना तो आकार  
में आकार लक्षणिक केवल नहीं कि  
की काल उसने नहीं किन्हीं



मैं सोच रहा हूँ कि होना  
वैले आकार में लक्षणिक  
वैले आकार का आकार  
को वहाँ वहाँ  
काम किन्हीं?



अपने दिन को लक्षण केवले ने की एक  
लक्षणिक आकार किन्हीं

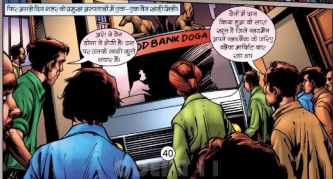
अब होना वहाँ वहाँ और पानी  
का पानी होना पर किन्हीं पानी किन्हीं के  
काल का लक्षण था, उसने तो एक किन्हीं  
काम किन्हीं आकार के लक्षण के  
अनुसार उसकी लक्षण में लक्षण के किन्हीं  
की लक्षण के लक्षण के लक्षण आकार  
लक्षण किन्हीं किन्हीं किन्हीं किन्हीं?

मे काली पानी लक्षण।  
उसी काली होना नहीं  
आकार













गति में रोमांच तो है लेकिन जानलेवा!



प्यारें टोंग प्रेमियों, जन्तु!

समयसमय उन सभी प्रशंसकों से सावधानीपूर्वक कि यह सीरीज अत्यंत प्रभावशाली रूप से खींच कर पांच चर्च की चर पी गई जिसमें कारण एक अच्छे कथानक में कई बार कई उलट ध्वज और सीरीज का मजा नहीं रहा। अपनी सीरीज में इस तरह पूरा भूल गया जराह कि आपको कोई भी कॉमिक नहीं भी उबाऊ या लंबे जिसके कारण आप खुद को सुत हुआ या समझें। हा ऐसा हुआ कि कुछ सीरीज लंबी खिंची किन्तु वह हमने जानबूझकर नहीं किया अंततःकारण हुआ जिसे अपनी तरह समझ लिया गया है। अपनी सीरीज में यह दिखाएंगे आपको नहीं होने दो जगहों।

अब उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद किन्हीं वह सीरीज प्यारें आई। वह तीन पेज लिखने समय तक 'तो पढ़ा होगा' लिखी रही हुई है और मुझे पूरा विश्वास है कि टोंग को सभी प्रशंसकों का 'तो पढ़ा होगा' अच्छा प्यारें आई होगी। इस सीरीज का सीरीज चार 'टोंग का जन्म' अब पढ़ चुके हैं जहां: टोंग अपने ऊपर लगे सभी अवरोधों से स्वयं को मुक्त करने में सफल हुआ। उसने अपने खींचा हुआ आत्मविश्वास वापस प्राप्त किया और साबित किया कि किचुएशन किसी भी विरोध से, सुंदर आत्मविश्वास से जीती जा सकती है यहां तक कि उसने अपने वरदान कृपा मित्रों को भी अपने आत्मविश्वास और जुनून से बंदोबस्त तक से बाहर निकाल लिया। मुझों को ऐसे की आज की मित्रिणी भी दस सक्ती की लेकिन उससे सफल का बहर सब नहीं पाऊ किन्तु बहुत में पढ़कर प्यारें लगता वह समझ मुझों के बस की मुझों को भी इसका हल नहीं कर सकता था जो समझ को बंद से उखाड़ फेंकता है। टोंग ने हमेशा एक ही विचार ही है कि दिल में जो हो जहां भी जन्तु से कोई नहीं कर सकता इसकी का खुद। मुझों को टोंग सीरीजों को दुआ में खुश भी मिठा। गलतफहमी को निवारण प्यारों की सफलतापूर्वक दूर हुए को पले भी मिठा। स्वयंसे को मित्रिणी प्यारों की सौत भी हुई इन्हें जहां जो जन्तु से लंबाई इसकी की बजह से। यहां तक की करील मैरी भी बने-बने टोंग की सफल कार्यें गया।

अब टोंग की आखिरी खेलेवे है **स्वसंप्रेष वे सीरीज**। एक और जन्तु सीरीज जिसमें आपको देखने को मिलेगा एक जन्तु किचुएशन पल जिसमें दिल में है एक जन्तुमुखी और जो स्वयं पले को लिए मुझों की ऊले या अंधधुंध रौंद लग रही है। अब इसकी रौंद को रोक पाएंगे टोंग? वास्तव में पले की एक दिल बहालक एक्साट पैक कॉमिक सीरीज आपसे अगले ही संत से इकट्ठेले आ रही है। इस सीरीज को पढ़ने की अवसरों बजह है दिलीप मिश्र जी ने और अंतिम दो चर्च बजह है मनु जी ने। इसे सीरीज को खींच हो जराह टोंग और गणपत का विशेषक '26/31' जिसमें टोंग की मुझों पर हुआ आत्मविश्वास को आक्रमण और आत्मविश्वासों ने बस लिया पूरी मुझों को बजह। अब टोंग अपनी मुझों को साबित आत्मविश्वासों को बजह पाएंगे? टोंग का सत्यपक्ष करेह आत्मविश्वास नमारा किन्तु उसके लिए भी आत्मविश्वासों ने विश्वास सौह बजह कि गणपत भी उस जाल में उलट कर रहा। किचुएशन आत्मविश्वासों द्वारा बनया गया टोंग बजह की रौंद है टोंग और गणपत को प्रयास।

अपने पल हमें अब इस पले पर पेंचें : सीन पेज नं. 286, राज कॉमिक्ट बुक्स, 330/1, बुलंदी, दिल्ली-84

Forum पर अपनी पोस्ट आप [www.rajcomics.com](http://www.rajcomics.com) पर करें।

जन्तु!  
अन्यथा

**आपका-संजय गुप्ता**  
GREEN PAGE NO. 286



हम नहीं मानते कोई प्रतिबंध, हमारा जुनून बना डालेगा इसे मौत का ...

एक्सप्रेस-व

250

STOP

OCEAN II

हिंसा सिर चढ़कर बोलती है जब बड़ जाती है...

# प्रेम तऽप



Adil Khan  
Bishwajaya Ghosh  
Parveen Singh

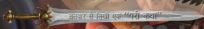
OCEAN II

अम्बू सा नेत्र, क्यू सी गति, कुरु सी शीतलता, नभ सी उदारता,  
पृथ्वी सी सहनशीलता, युद्धक-देवा सा पराक्रम और शौर्य, परियों सी सौम्यता

मैं हूँ इनका संगम....

प्रथमभोक्ता

अन्तर में निरी अन्तर्गत-अन्तर्गत



5060 में मरेगा ध्रुव.... तो खत्म हो जाएगा ध्रुव का वंश।



2010 में मरेगा ध्रुविष्णु.... तो भी मिट जाएगा ध्रुव का वंश।



इनमें से कोई एक होगा

# अखिरी ध्रुव

राज कॉमिक्स पेश करते हैं समय की सीमाओं को पार करके  
आपके दिल की गहराइयों में उतर जाने वाला ये टाइम थ्रूफ़ विशेषांक!

OCEAN II